

अनानुदिष्ट (3. अ + अनुदिष्ट) adj. *unaufgefordert* RV. 10, 160, 4.

अनानुमति (3. अ + अनुमति) f. *Unaufmerksamkeit, Hintansetzung*; concret: *der Unaufmerksame, Gleichgültige*: अनानुमतीरवधून्वानः पूर्वो-
रिन्द्रः शरदस्तर्तुरिति RV. 6, 47, 17.

अनापद् (3. अ + आपद्) f. *Nicht-Noth*: अनापदि *wenn keine Noth*
herrscht M. 4, 2, 100. 3, 33. 8, 62. 9, 58. 282. 336. 11, 28. 12, 70.

अनापान (3. अ + आपान) m. N. pr. ein Sohn Aṅga's Vāju-P. im VP.
445, N. 13. LIA. I, 719, N. 1.

अनापि (3. अ + आपि) adj. *der keine Befreundete, keine Bekannte hat*
RV. 10, 39, 6 (s. u. अनापि).

अनापूयित (3. अ + आपूयित) adj. *nicht mit üblem Geruch behaftet* Çat.
Br. 1, 1, 3, 8.

अनाप्त (3. अ + आप्त) adj. 1) *unerreicht, unerreichbar* RV. 1, 100, 2.
AV. 4, 7, 7. Çat. Br. 4, 6, 20. Ait. Br. 3, 25. — 2) *nicht hinreichend*
Çat. Br. 1, 1, 2, 1. — 3) *ungeschickt*: युग्यस्याः प्राक्के ऽनाप्ते सर्वे द्वाभ्याः
M. 8, 294.

अनाप्ति (3. अ + आप्ति) f. *Nichterreichung seines Zweckes* M. 9, 290.

अनाप्य (3. अ + आप्य) adj. *unerreichbar* RV. 7, 66, 11. Ait. Br. 3, 25.

अनावय s. आवय.

अनावध (3. अ + आवधा) adj. *ohne Hemmnisse, ungehemmt*: पथि R.
3, 44, 30.

अनाभयिन् (3. अ + आभयिन्) adj. *furchtlos* RV. 8, 2, 1 (voc.).

अनाभू (3. अ + आभू) adj. *nicht dienstbereit, ungehorsam*: आभूभिरिन्द्रः
अथयत्नर्भुवः RV. 1, 31, 9.

अनामक (von 3. अ + नामन्) 1) adj. *namenlos*. — 2) m. *Schaltmonat*
Mālamāsataṭṭva im ÇKDr. — 3) n. *Hämorrhoiden* Çabdar. im ÇKDr.

अनामत्व (von अनामन्) n. *Namenlosigkeit* Kāṭy. Çr. 5, 4, 5.

अनामन् (3. अ + नामन्) 1) adj. *namenlos*: ब्रह्मा Çat. Br. 14, 6, 8, 8. —
2) m. *Ringfinger* Çabdar. im ÇKDr.; vgl. अनामिका.

अनामर्न N. einer Krankheit: अनामर्नात्स शीर्यते या मुखेनापुत्रिप्रति
AV. 12, 4, 5, 8.

अनाम्य (3. अ + आम्य) 1) adj. f. आ. a) *nicht verderblich*: (अर्षणीः)
अहिंसतीरनाम्या निर्द्वत्तु बृहिरिर्लम् AV. 9, 13, 13. — b) *gesund, in*

gutem Wohlbefinden, keine Leiden habend: कुशलं ते वररिहि भर्तारस्ते
ऽप्यनामयाः Draup. 4, 10. प्रस्थाप्य पुष्करं राजा वित्तवत्तमनामयम् N. 26,

29. राज्यम् R. 2, 72, 52. 5, 81, 18. von Brahman Çvetiçv. Up. 3, 10 (so zu
lesen st. अनाम्य). Çāṅk.: आध्यात्मिकादितापत्रयरहितत्वात्. — c) *wo ein*

Wohlergehen herrscht: तन्मबन्धविनिमुक्ताः पदं गच्छन्त्यामयम् Bhag. 2,
51. ब्रह्मलोकम् R. 1, 44, 58. — 2) m. ein Beiname Çiva's Çiv. — 3) n.

Gesundheit, Wohlergehen AK. 2, 6, 2, 1. H. 474. कञ्चिच्च सक्तैर्यस्य तव
नित्यमनामयम् R. 2, 89, 6. येषां कुशलकामो ऽसि तेषां संप्रत्यनामयम् 1, 73,

3. श्रुते भगवता कञ्चित्सुभित्तमनामयम् 6, 109, 3. न हि योगं प्रपश्यामि येन
मुच्येयमापदः । पुत्रदारेण वा सार्धं प्रद्वेयेमनामयम् ॥ Brāhmaṇ. 1, 19. वसि-

ष्ठम् — पप्रच्छानामयम् R. 1, 20, 13. वसिष्ठो भरतश्चेन पप्रच्छतुरनामयम् ।
शरीरे ऽग्निषु शिष्येषु वृत्तेषु मृगयन्तिषु ॥ 2, 90, 8. अनामयं च ब्रूयास्व राम-

लक्ष्मणौ 5, 37, 12. तौ ब्रूयाः सर्वमनामयम् 5, 68, 40. प्रणाम्य विधिवच्चैनं

(Brahman) पृष्ठानामयमव्ययम् 1, 2, 28. कुशलमव्ययम् । पप्रच्छानामयं चापि
तयोः (नारदपर्वतयोः) N. 2, 14. कुशलानामयं प्रीतः पप्रच्छ वसुधाधियम् R.
1, 20, 10. 68, 4. 3, 4, 40. ब्राह्मणं कुशलं पृच्छेत्तत्रबन्धुमनामयम् । वैश्यं तेनं
समागम्य ब्रूमारीग्यमेव च ॥ M. 2, 127. स भवत्तमनामयपूर्वकमिदमाह Çāṅk.
64, 23.

अनामयत् (3. अ + आमयत्) adj. *nicht wehthuend, nicht beschädigend*
VS. 18, 6.

अनामयितुं (3. अ + आमयितु) adj. *nicht krank —, heil machend*: (हृ-
स्ताभ्याम्) अनामयितुभ्यां वा ताभ्यां लेपं स्पृशामसि RV. 10, 137, 7.

अनामिका (von 3. अ + नामन्) f. *Ringfinger* AK. 2, 6, 2, 33. H. 593. Çat.
Br. 14, 9, 4, 5. = Brh. År. Up. 6, 4, 5. Kāṭy. Çr. 2, 2, 18. 4, 14, 26. 7, 6, 27.
16, 3, 4. 6, 29. Åçv. Gṛh. 1, 24. Jāṇ. 3, 278. Suçr. 1, 103, 10. 2, 196,
16. — In einer grossen Anzahl von Sprachen verschiedenen Stammes
führt der *Ringfinger* denselben Namen; s. *Bullet. hist.-phil.* II, 345.
Pott, die quinare und viges. Zählmethode, S. 284. und Böhtlingk,
Ueber die Sprache der Jakuten, S. 3, b. des Jakutisch-Deutschen Wör-
terbuchs.

अनामिन् (3. अ + नामिन्) adj. *sich nicht beugend, unbeugsam*: तत्रम्
RV. 6, 8, 6. अत्रः 3, 62, 5.

अनामूर्ण (3. अ + आमूर्ण) adj. *unbekämpfbar, unverletzlich* RV. 1, 33, 1.

अनामृत (3. अ + आमृत) adj. *unsterblich* Çat. Br. 1, 2, 5, 18.

अनायक (3. अ + नायक) adj. f. का *führerlos*: उपद्रुतिमिदं सर्वमनाल-
म्बमनायकम् R. 2, 48, 22. राज्यम् 79, 3. सेना 14, 52. सैन्यम् Kāṇ. 100.

अनायत (3. अ + आयत) adj. *nicht gestützt, nicht gehalten*: अनायतो
अनिवद्धः कथायं न्यङ्कुतानो ऽव पथते न RV. 4, 13, 5.

1. अनायतन (3. अ + आयतन) n. *ein nicht geeigneter Ruheplatz, Abwe-*
senheit eines Ruheplatzes: न ह्यानायतने कश्चन रमते Çat. Br. 6, 2, 2, 14.
बहिर्धा वा रतमायतनात्कोरति यस्यानायतने ऽन्यत्राग्रेरुक्ततीर्षुकोति 13,
1, 2, 6. नेदनायतने प्रणवं दधाम 3, 2, 18.

2. अनायतर्न (wie eben) adj. *ohne Lager, ohne Ruheplatz*: अप्रति-
ष्ठनो ऽनायतनो मरिष्यसि AV. 11, 4, 18.

अनायतनवत् (3. अ + आयतनवत्) adj. *der kein Lager, keinen Sitz*
hat Ait. Br. 3, 22.

अनायत (3. अ + आयत) adj. *unabhängig*: अनायतवृत्तिता *Unabhän-*
gigkeit, Freiheit Hir. II, 21.

1. अनायास (3. अ + आयास) m. *Nichtanstrengung*: अनायासेन मरणं
विना दैव्येन जीवनम् । अनाराधितगोविन्दचरणस्य कथं भवेत् ॥ इति प्रामा-
णिकाः ÇKDr. अनायासकृत *was ohne Anstrengung, ohne Mühe gethan*
worden ist AK. 3, 2, 11.

2. अनायास (wie eben) adj. *was keine Anstrengung verursacht*: भवता
ममाप्येकस्मिन्ननायासे कर्मणि सख्येन भवितव्यम् Çāṅk. 22, 17.

अनायुध (3. अ + आयुध) adj. *nicht mit (Opfer-) Gerüthen versehen*:
अथा ते अग्ने किमिहा वदन्त्यायुधासु आसता सचताम् RV. 4, 3, 14. — Vgl.
यज्ञायुध.

अनायुषा (von अनायुस्) f. N. pr. Daksha's Tochter, Kāçjapa's Ge-
mahlin und Mutter von Bala und Vṛtra, Hariv. 11533. 12447. 12961.
13029. — Vgl. अनायुस्.

अनायुष्य (3. अ + आयुष्य) adj. *kein langes Leben bewirkend, das Le-*
12*

* Mit Dehnung des Anlauts.